समर्थन मिलने लगा है।

2.3 हिन्दी और वेब डिजाईनिंग

वेब डिजाइनिंग क्या है?

जब हम किसी भी वेबसाइट को बनाते है, उपडेट करते हैं, या प्लान करते हैं तो उसको हम 'वेब डिजाइनिंग' कहते हैं। जैसे कि एक बिल्डर का काम बिल्डिंग बनाना होता है, उसी तरह से वेब डिजाइनर का काम वेबसाइट को बनाना होता है। वेब डिजाइनिंग के दो हिस्से होते हैं–फ्रंट एंड वेब डिजाइन (Front End Web Design) और बैक एंड वेब डेवलपर (Back End Web Developer).

फ्रंट एंड वेब डिजाइन (Front End Design): जैसे कि नाम से पत चलता है कि फ्रंट एंड वेब डिजाइन फ्रंट में डील करती है, यानि कि उस हिस्से से जो कि यूजर या विजिटर को दिख रहा है। जब हम किसी भी वेबसाइट क खोलते हैं तो हमारे सामने जो भी आता है वो सब फ्रंट एंड वेब डिजाइनर क काम होता है। फ्रंट एंड वेब डिजाइनर से हमारा मकसद सिर्फ वेबसाइट व सुन्दर बनाना ही नहीं होता, वेब डिजाइनिंग के द्वारा हमें ये भी ध्यान रख होता है कि कौन सी चीज कहाँ जुड़े जिससे हमारी वेबसाइट पर आने व विजिटर को कोई दिक्कत न हो। अगर हम इसे एक कार से तुलना करें प्र

एंड वेब डिजाइनर का काम गाड़ी को सुन्दर बनाना है, गाड़ी के ईंजन से उसका कोई मतलब नहीं है, गाड़ी के अन्दर की बैटरी, ईंजन वो सब बैक एंड वेब डेवलपर का काम है।

बैक एंड वेब डेवलपर (Back End Web Developer): वेब डेवलपर वेबसाइट के दिमाग को बनाता है, जैसे कि वेबसाइट पर अगर कोई फॉर्म भरेगा तो वो किसके पास पहुँचना चाहिए, कोई आईडी/पासवर्ड डालता है तो कौन सी प्रोफाइल खुलनी चाहिए आदि। बैक एंड वेब डेवलपर (Back End Developer) का काम विजिटर को नहीं दिखता, लेकिन डेवलपमेंट के बिना बढ़िया वेबसाइट नहीं बन सकती।

वेब डिजाइनर बनने के लिए क्या सीखना पड़ता है?

एक अच्छा वेब डिजाइनर बनने के लिए फ्रंट एंड वेब डिजाइन (Front End Web Design) और बैक एंड वेब डेवलपमेंट (Back End Web Development) दोनों की जानकारी होनी चाहिए। फ्रंट एंड वेब डिजाइन (Front End Design) के लिए क्या सीखें? सबसे पहले हम फ्रंट एंड वेब डिजाइन से शुरू करते हैं।

फोटोशॉप बेसिक्स : जैसे हम घर बनवाने के लिए पहले आर्किटेक्चर से नक्शा बनवाते हैं, ठीक उसी तरह वेबसाइट डिजाइन करने से पहले सोचते हैं कि हमारी वेबसाइट कैसी दिखेगी। कई लोग पूरी वेबसाइट का डिजाइन बहुत बारिकी से फोटोशॉप पर बनवाते हैं, लेकिन जो एक्सपर्ट हैं वे फोटोशॉप को सिर्फ एक ब्लूप्रिंट या प्रोटोटाइप बनाने के लिए करते हैं।

HTML: HTML का मतलब होता है Hyper Text Markup Language. HTML एक मार्कअप लैंग्वेज है जिसका प्रयोग वेबसाइट का ढांचा बीनाने के लिए होता है। HTML एक भाषा है जो कि 'कोड' के रूप में लिखी जाती है। HTML सीखना बहुत ही आसान है। एक बार आपने HTML सीख ली तो आप एक सरल सी स्टेटिक वेबसाइट बना सकते हैं।

CSS : CSS का मतलब है Cascading Style Sheet. HTML हमारी वेबसाइट को स्ट्रक्चर देने के काम आता है और दूसरी ओर CSS हमारे HTML से बने स्ट्रक्चर को डिजाइन देने के काम में आती है और हमारे डिजाइन को स्टाइल देने के काम आती है।

जावास्क्रिप्ट : यहां हम पूरी तरह से प्रोग्रामिंग करना शुरू कर देते हैं।